DR.MALA KUMARI
ASSISTANT PROFESSOR (GUEST TEACHER)
DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY
A.N.D COLLEGE SHAHPUR PATORY,SAMASTIPUR
B.A –PART 1 PSYCHOLOGY (HONS)
PAPER-1 ,UNIT-9,
PERSONALITY CONCEPT :PROJECTIVE METHODS
LECTURE-53

प्रक्षेपीय विधियाँ *(projective methods)*

प्रक्षेपीय विधि द्वारा व्यक्तित्व की माप परोक्ष रूप से होती है |इस परीक्षण में व्यक्ति के सामने कुछ अस्पष्ट तथा असंगठित उद्दीपक या परिस्थिति दिया जाता है |ऐसे उद्दीपकों एवं परिस्थितियों के प्रति व्यक्ति कुछ अनुक्रिया करता है |इन अनुक्रियाओं के सहारे व्यक्ति अचेतन रूप से अपनी इच्छाओं,त्रुटियों एवं मानसिक द्वन्द्वों को प्रक्षेपित करता है |इस तरह से प्रक्षेपीय परीक्षण वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसके एकांश स्पष्ट एवं असंगठित होते है और जिसके प्रति अनुक्रिया

करके व्यक्ति अपने भिन्न-भिन्न प्रतिक्रिया करके शीलगुणों की अभिव्यक्ति परोक्ष रूप से करता है |

व्यक्तित्व मापन के लिए वैज्ञानिकों ने कई तरह के प्रक्षेपीय परीक्षण का वर्णन किया है |मनोवैज्ञानिकों ने प्रक्षेपीय विधि का वर्गीकरण परीक्षण में उपयोग किये गए उद्दीपक ,परिक्षण को निर्मित करने तथा क्रियान्वयन करने के तरीका तथा उनसे उत्पन्न होने वाली अनुक्रियाओंके आधार पर भिन्न-भिन्न ढंग से किया गया है | इसमें लिंडजे (1961) ने जो वर्गीकरण जो अनुक्रिया की कसौटी के आधार पर किया है , वह आज भी बहुत लोकप्रिय है | इनके अनुसार प्रक्षेपीय परीक्षण को निम्नांकित पाँच भागों में बाँटा गया है –

(1) साहचर्य परीक्षण *(ASSOCIATION TEST)*
(2) संरचना परीक्षण *(CONSTRUCTION TEST*)
(3) पूर्ति परीक्षण *(COMPLETION TEST)*
(4) चयन या क्रम परीक्षण (*CHOICE OR ORDERING TEST*)
(5)* अभिव्यंजक परीक्षण *(EXPRESSIVE TEST)

इन प्रक्षेपीय परीक्षण का वर्णन निम्नांकित है –

(1) **साहचर्य परीक्षण**—ऐसे परीक्षण में व्यक्ति अस्पष्ट उद्दीपको को देखता है और यह बतलाता है की उसमे

वह क्या देख रहा है या फिर उसमे वह किस चीज को साहचर्यित कर रहा है |रोशार्क परीक्षण तथा शब्द साहचर्य परीक्षण इस श्रेणी के दो प्रमुख प्रकार है जिनका वर्णन निम्नांकित है –

(I) **शब्द साहचर्य परीक्षण (WORD ASSOCIATION TEST)-** इस परीक्षण में कुछ पूर्व निश्चित उद्दीपक शब्दों को एक-एक करके व्यक्ति के सामने उपस्थित किया जाता है औए व्यक्ति को शब्द सुनने के बाद उसके मन में जो सबसे पहला शब्द आता है,उसे बतलाना होता है |व्यक्ति मापन के रूप में इस परीक्षण का उपयोग फ्रायड तथा उनके शिष्य विशेषकर युंग द्वारा प्रारंभ किया गया है |युंग ने 1904 में 100शब्दों की एक मानक सूचि *(STANDARD LIST)* तैयार की और उपयुक्त विधि द्वारा व्यक्ति की अनुक्रियाओं को प्राप्त किया |उसके बाद उसका विश्लेषण करके विशेष कर प्रत्येक अनुक्रिया शब्द *(RESPONSE WORD)*का सांकेतिक अर्थ ज्ञात करके तथा प्रति क्रिया समय के आधार पर व्यक्ति के सम्वेगिक संघर्षो का पता युंग ने सफलतापूर्वक लगाया |

(II) **रोशार्क परीक्षण** ***(RORSCHACH TEST)-***प्रक्षेपण परीक्षण में सबसे प्रचलित एवं प्रमुख परीक्षण रोशार्क परीक्षण है जिसका प्रतिपादन स्विट्जरलैंड के मनोचिकित्सक हरमान रोशार्क ने 1921 में किया |इस परीक्षण में दस कार्ड होते है जिसपर स्याही के धब्बे के समान चित्र बने होते है इसमें पाँच कार्ड पर स्याही के धब्बे जैसी आकृति रंगों में होती है |प्रत्येक कार्ड एक-एक करके उस व्यक्ति को दिया जाता है जिसका व्यक्तित्व मापना होता है |कार्ड को वह जैसे चाहे घुमा-फिरा सकता है और ऐसा करके उसे बताना होता है की उसे उस कार्ड में क्या दिखलाई दे रहा है या धब्बे का कोई अंश या पूरा भाग उसे किसी चीज के सामान दिखाई पर रहा है |व्यक्ति द्वारा दी गयी अनुक्रियाओ को लिख लिया जाता है और बाद में उसका विश्लेषण कुछ ख़ास-ख़ास अक्षर संकेतो के सहारे निम्नांकित चार भांगो में बाँटकर किया जाता है-

(A) **स्थल-निरूपण** ***(LOCATION)-*** उस श्रेणी में इस बात का निर्णय किया जाता है की व्यक्ति की अनुक्रिया का सम्बन्ध स्याही के पूरे धब्बे से है या उसके कुछ अंश से | अगर अनुक्रिया का आधार पूरा धब्बा होता है तो ,उसे

एक ख़ास अक्षर संकेत ,यानी W से अंकित करते है |यदि अनुक्रिया का आधार धब्बे का बड़ा एवं सामान्य अंश होता है ,तो उसके लिए D तथा असामान्य एवं छोटे अंश के आधार पर अनुक्रिया होने से उसके DD का प्रयोग किया जाता है |सिर्फ उजले स्थानों या जगहों के आधार पर अनुक्रिया देने से उसके लिए S का प्रयोग किया जाता है |

(B) **निर्धारक** ***(DETER MINANTS)*** – इस श्रेणी में इस बात का निर्णय किया जाता है कि धब्बे के किस गुण के कारण व्यक्ति ने अमुक अनुक्रिया कि है | जैसे –मान लिया जाए की व्यक्ति ने किसी धब्बे में 'चमगादरड़' होने की अनुक्रिया की है |इस अनुक्रिया के निर्धारक श्रेणी में इस बात का निर्णय किया जाएगा की व्यक्ति ने धब्बे के किस गुण अर्थात आकार ,रंग,गति आदि में से किसके आधार पर ऐसी अनुक्रिया की है |इस श्रेणी के लिए लगभग 24 अक्षर संकेतो का प्रतिपादन किया गया जिसमे कुछ इस प्रकार है –आकार के लिए F,रंग के लिए C,मानव गति अनुक्रिया के लिए M,पशु गति अनुक्रिया के लिए FM तथा निर्जीव गति अनुक्रिया के लिए M आदि |

(C) **विषय- वस्तु *(CONTENT)***-इस श्रेणी में यह देखा जाता है की व्यक्ति द्वारा दी गयी अनुक्रिया की विषय-वस्तु क्या है |विषय-वस्तु मनुष्य होने के लिए H तथा पशु होने पर A के संकेत का प्रयोग किया जाता है |

(D) **मौलिक अनुक्रिया एवं संगठन (ORIGINAL RESPONSE AND ORGANISATION)**-मौलिक अनुक्रिया से तात्पर्य उस अनुक्रिया से होता है जो अनेको व्यक्तियों द्वारा किसी कार्ड के प्रति अक्सर दिये जाते है |इसलिए लोकप्रिय अनुक्रिया भी कहा जाता है जिसका संकेत P है जैसे प्रथम कार्ड में पुरे धब्बे को चमगादड़ या तितली के रूप में देखना एक लोकप्रिय अनुक्रिया का उदाहरण है इसी तरह से प्रत्येक कार्ड के लिए कुछ अनुक्रियाओं को लोकप्रिय अनुक्रिया की श्रेणी में रखा गया है |कभी-कभी वह कुछ अनुक्रियाओं को एक साथ संगठित कर लेता है जिसका संकेत Z है |

TO BE CONTINUED